

अन्यलिङ्गक = अन्यलिङ्ग AK. 1,1,2,21.

अन्यवर्ण (अन्य + वर्ण) adj. andersfarbig AV. 12,3,54.

अन्यवादिन् (अन्य + वादिन्) adj. subst. der (vor Gericht) eine falsche Aussage macht: अन्यवादी क्रियोदेषी नोपस्थापी निरुत्तरः । आहूतप्रपलापी च ह्यनः पञ्चविधः स्मृतः ॥ NĀRADA im VJAVAHĀRAT. 16, 12.

अन्यवार्य (अन्य + वाप) (Andern säend, d. i. Eier legend) m. Kuckuck VS. 24,37. — Vgl. अन्यपृष्ठ.

अन्यत्रत (अन्य + त्रत) adj. einem Andern (bes. andern Göttern) ergehen, ungetreu, ungläubig: अन्यत्रतममोनुषमप्यज्जानुमदैवयुम् RV. 8,59, 11, 5,20, 2. 10,22,8. VS. 38,20.

अन्यशाखक (von अन्य + शाखा) m. ein Brahman, der zu einer andern Schule übergegangen ist, H. 857.

अन्यस्त्री (अन्य - स्त्री + ग) adj. das Weib eines Andern besuchend; subst. Ehebrecher M. 8,386.

अन्या (3. अ + न्या, zusammengezogen aus नि-या, wie auch zu sprechen ist) f. adj. nicht versiegend, von der Kuh: धेनुं सुडुघामन्यामिषुमरुधारामरुक्तम् SV. I,4,1,4,3. (उपस्तुतिम्) उप वै विश्ववेदसो नमस्युरा असून्यामिव RV. 8,27,11.

अन्यादत्त (von अन्य + दत्त) adj. anders aussehend, andersgeartet SIDDH. K. zu P. 3,2,60. Vop. 26,83,85.

अन्यादृप् (von अन्य + दृप्) adj. dass. P. 3,2,60, Vārt. Vop. 26,83. Gegens. इदृप् VS. 17,81.

अन्यादश (von अन्य + दश) adj. dass. P. 3,2,60, Vārt. Vop. 26,83. इमे नूनमीदशा अन्यादशा इति KĀND. Up. 4,14,2. कथमथ अन्यादश इव दृश्यते DhŪRTAS. 72,8. Vgl. अनन्यादश.

अन्याय (3. अ + न्याय) m. unrechtmässiges Verfahren: द्वेषादन्यायमाचरेत् R. 2,53,18. अन्यायः परदारपृक्काव्यापारः ŚĀK.104,22,v.1. नरे अन्यायवर्तिषु M. 7,16. केमकारं तु पार्थिवः । प्रवर्तमानमन्याये (der unehrlich zu Werke geht) द्वेषेद्यवशः नृरैः 9,292. अन्यायेन nicht auf die rechte Weise, auf ungerechte Weise: अन्यायेनापि (ed. Calc.: अन्यायेन तु, ÇKDra. wie wir) यदुक्तं पित्रा पूर्वतैरिन्द्रिभिः (ed. Calc.: पूर्वतैः) । न तच्छक्यमपाकर्तुं क्रमात्तिपुरुषागतम् ॥ NĀRADA im VJAVAHĀRAT. 52,14. नापृष्ठः कस्यचिद्भूयान्न चान्यायेन पृक्कतः M. 2,110. अन्यायेनेष वराको वध्यते PAÑKĀT. 41,16. = अन्यायतम् R. 6,36,51. PAÑKĀT. V, 77. नैवमन्यायतः किञ्चिन्माधवस्य शिवस्य वा so hat weder M. noch Ç. irgend ein Unrecht begangen KATHĀS. 24,196.

अन्यार्थ (अन्य + अर्थ) = अन्यर्थ P. 6,3,100. adj. einen andern Zweck habend KĀTJ. Çr. 1,4,6.7. MADHUS. in Ind. St. I,13,6. Davon nom. abstr. ०र्थत्वं KĀTJ. Çr. 1,8,15. 9,12,1. 12,3,15

अन्यासाधारण (अन्य + साधारण) adj. mit Andern nicht gemein, eigenthümlich TRIK. 3,1,22.

अन्यून (3. अ + न्यून) adj. nicht zu wenig, vollständig H. 1433. तथो एवैतदन्यूनं भवति ÇĀT. Br. 2,1,4,3. अन्यूना अनतिरिक्ताः nicht zu wenige und nicht zu viele 7,3,4,39. अन्यूनाङ्ग LĀTJ. in Ind. St. 1,51. अन्यूना दशतः nicht weniger als zehn ÇĀT. Br. 4,5,5,16.

अन्यूनाधिक (3. अ + न्यून - अधिक) adj. nicht zu wenig und nicht zu viel: सर्वमन्यूनाधिकम् R. 6,16,78.

अन्येष्युष्क (von अन्येष्युम्) adj. andertägig Suçr. 2,403,13.

अन्येष्युम् (अन्ये, loc. von अन्य, + युम्) adv. P. 5,3,22. Vop. 7,103.

AK. 3,5,21. 1) am andern, am folgenden Tage: यो अन्येष्युर्हमप्युर्भवेति तृतीयकाय नमो अस्तु त्वन्नै AV. 1,24,4. 7,117,2. Suçr. 2,403,6. ITH. bei ÇĀÑKH. in Ind. St. 2,293. PAÑKĀT. 20,24. KATHĀS. 2,78. VID. 55.185.

— 2) eines Tages PAÑKĀT. 9,1. 53,19. 61,1. 148,18. III,144. 198,16. RAGH. 2,26. VET. 24,9.

अन्योक्त (3. अ + न्योक्त) adj. nicht an seinem Sitze befindlich: अन्योक्तिः क्रव्याद्यदि वा व्याद्य इमं गोष्ठं प्रविश्यान्त्योक्ताः AV. 12,2,4.

अन्योक्त (अन्य + उक्त) adj. f. mit einem Andern verheirathet SĪH. D. 43,5.

अन्योदर्य (von अन्य + उदर) 1) adj. einem andern Mutterleibe entsprungen RV. 7,4,8. — 2) m. Halbbruder = अन्यमातृज, JĀGĀ. 2,139.

अन्योऽन्य (अन्यस्, nom. sg. m. von अन्य, + अन्य) pron. adj. Einer den Andern u. s. w. Das erste अन्य bewahrt, auch auf ein fem. bezogen, die Endung des masc.; das zweite अन्य dagegen wird movirt und nimmt

ausnahmsweise auch die Endung des pl. an. Das in Verbindung mit अन्योऽन्य erscheinende Verbum weist nach P. 1,3,16. die mediale Form zurück (vgl. jedoch ÇĀT. Br. 1,1,4,5.) Folgende casus obliqui können von uns belegt werden: 1) acc.: नेदन्योऽन्यं हिनसाते ÇĀT. Br. 1,1,4,5.

मिथो ऽन्योऽन्यं जिघांसतो मदीनितः M. 7,89. जौवह्यन्योऽन्यमाश्रित्य दुमा काननजा इव Hip. 1,42. तथान्योऽन्यं (so ist mit der ed. Calc. des MBh. zu lesen) समाश्रित्य विकर्षतौ पुनः पुनः 4,39. विनान्योऽन्यं न भुञ्जते

विनान्योऽन्यं न गच्छतः SUND. 1,5. R. 4,4,19. 6,25,7. अन्योऽन्यमिमे ब्राह्मणा भोजयति P. 8,1,12, Vārt. 9, Sch. अन्योऽन्यमिमे ब्राह्मणौ कुले (also auch beim neutr. das fem.!) वा भोजयतः ebend. Vārt. 10, Sch.

Sehr häufig adv. gegenseitig AK. 3,4,32, (COL. 28.) 17. H. 1499. अन्योऽन्यं संविदं कृत्वा R. 1,17,9. अन्योऽन्यं कल्लकं कुरुतः DhŪRTAS. 86,7. अन्योऽन्यमपरजितौ R. 6,79,54. अन्योऽन्यमसद्विषयः VID. 66. अन्योऽन्यमवित्तौ विलोकने 303. — 2) instr.: तानि मृष्टान्यन्योऽन्येनास्पर्थत ÇĀT. Br. 14,

4,3,30. (= BṚH. Ār. Up. 1,5,21.) न चाभिद्यत ते सर्वे तदान्योऽन्येन MBh. 1,7742. अन्योऽन्यैराकृताः सतः सत्त्वर्भूमिनिस्वनाः R. 5,74,36. — 3) gen.: अन्योऽन्यस्य पृष्ठे प्रयावतः ÇĀT. Br. 4,4,5,23. अन्योऽन्यस्या (fem.) एवैतच्छ्रिया अतिष्ठमाना उत्तराधरा इव भवत्यो यति (आपः) 5,3,4,21.

आपयतो वै तावन्योऽन्यस्य कामम् KĀND. Up. 1,1,6. अन्योऽन्यस्य प्रियकरावन्योऽन्यस्य प्रियवैदो SUND. 1,5. जिज्ञासतावृषो वीर्यमन्योऽन्यस्यात्त-रैषिणौ R. 4,60,10. अन्योऽन्यस्य व्यतिलुनति P. 1,3,16, Sch. — 4) loc.: अथ देवा अन्योऽन्यस्मिन्नेव गुरुतश्चैरः ÇĀT. Br. 5,1,4,2. तवितान्योऽन्यस्मिन्प्रतिष्ठितौ BṚH. Ār. Up. 5,3,2. — In allen bis jetzt aufgeführten

Beispielen ist das erste अन्य: nach der Construction des Satzes als nom. aufzufassen; nicht selten aber vertritt der erstarrte nom. auch die Stelle eines casus obl.: तपोरदृष्टकामो ऽभूत् — अन्योऽन्यं प्रति N. 1,

16. तेषां संभाषमाणानामन्योऽन्यम् R. 5,89,32. भीतानां भृशमार्तानामन्योऽन्यं हि वनैत्रासाम् 4,18,16. मयान्योऽन्यं ताभ्यां मिथ्याप्रतल्पनेन भेदस्तथा

विक्रितो यथा u. s. w. PAÑKĀT. 83,21. विरोधः स्याद्यथा ताभ्यामन्योऽन्येन तथा कुरु SUND. 3,21. भिन्नं ये मन्त्रिणो मन्त्रमन्योऽन्येनाभिर्सेकितम् (Gobr. अन्ये नाभिः) R. 5,82,5. अन्योऽन्यस्याद्यभिचारः gegenseitige Treue M. 9,101. अन्योऽन्यस्य हृदि स्थिते ऽप्यन्ये AMAR. 19. Nach diesem darf

es nicht Wunder nehmen, wenn अन्योऽन्य auch am Anfange eines